

P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT

- Arts integration is a teaching method that use to help students, understand and demonstrate their knowledge of a subject.
- Arts-integrated curriculum: The arts are the primary method for exploring the curriculum.
- Teaching non-art concepts: For example, using a painting to explain a history concept.
- Teaching concepts that are difficult to learn
 Art integration can help students learn concepts that are hard to learn using traditional methods.
- Vocational training's are conducted time to time in the school.
 Artists are invited from outside and children are taught things like making pottery, arts and crafts.
- Various activities are organized by the organization.
 Such as “Ek Bharat Shrestha Bharat”. Works could displayed by modeling, posting, craft work & paintings through different mediums and learn something new.
- A Maths garden has also been prepared in the school as per learning through art integration.
- Work has been done in the primary classes related to the BALA Project in the school.
- Wall paintings & posters designed to create awareness about NEP in school so that children will learn a lot through visuals.
- In our school, teachers follow art integrated teaching method time to time, so that children would learn from different ways.
 - For example- Painting, Exhibition, Poster making, Drama, Street play, Dance & Music are different modes to engage children for easy & effective learning.

P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT

- Work is in progress on art integrated basis at prayer assembly area as well. Where children assembled for prayer & various other activities, express their feelings & leanings.
 - Children participated for wall painting at different places of school building with the help of the art teacher and explore their innovative ideas/feelings.
 - Frequent outdoor education tours are organized to visit at historical places, Museums & award ceremonies to engage student, explore new things & social awareness.
-
- आर्ट्स इंटीग्रेशन (कला को शिक्षा में शामिल करना) एक ऐसी शिक्षण विधि है जिसका उपयोग छात्रों को किसी विषय के बारे में अपनी समझ और ज्ञान को प्रदर्शित करने में मदद करने के लिए किया जाता है।
 - आर्ट्स-इंटीग्रेटेड करिकुलम (कला-एकीकृत पाठ्यक्रम): इसमें पाठ्यक्रम को समझने और सीखने के लिए कला मुख्य माध्यम होती है।
 - गैर-कला विषयों/अवधारणाओं को पढ़ाना: उदाहरण के लिए, इतिहास की किसी अवधारणा को समझाने के लिए पेंटिंग का उपयोग करना।
 - ऐसी अवधारणाओं को पढ़ाना जिन्हें सीखना मुश्किल होता है: आर्ट्स इंटीग्रेशन उन अवधारणाओं को सीखने में छात्रों की मदद कर सकता है जिन्हें पारंपरिक तरीकों से सीखना कठिन होता है।
 - स्कूल में समय-समय पर व्यावसायिक प्रशिक्षण (वोकेशनल ट्रेनिंग) आयोजित किए जाते हैं।
बाहर से कलाकारों को बुलाया जाता है और बच्चों को मिट्टी के बर्तन बनाना, कला और शिल्प (आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स) जैसी चीजें सिखाई जाती हैं।
 - संस्था द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।
जैसे "एक भारत श्रेष्ठ भारत"। इसमें मॉडलिंग, पोस्टर, क्राफ्ट वर्क और पेंटिंग जैसे विभिन्न माध्यमों से काम प्रदर्शित किए जा सकते हैं और कुछ नया सीखा जा सकता है।
 - आर्ट्स इंटीग्रेशन के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया के तहत स्कूल में एक 'मैथ्स गार्डन' (गणित उद्यान) भी तैयार किया गया है।

P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT

- स्कूल में प्राइमरी कक्षाओं में BALA (Building as Learning Aid - सीखने में सहायक के रूप में भवन) प्रोजेक्ट से संबंधित कार्य किए गए हैं।
- स्कूल में NEP (नई शिक्षा नीति) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए वॉल पेंटिंग और पोस्टर बनाए गए हैं ताकि बच्चे दृश्यों (विजुअल्स) के माध्यम से बहुत कुछ सीख सकें।
- हमारे स्कूल में, शिक्षक समय-समय पर आर्ट्स-इंटीग्रेटेड शिक्षण पद्धति का पालन करते हैं, ताकि बच्चे विभिन्न तरीकों से सीख सकें।
- उदाहरण के लिए- पेंटिंग, प्रदर्शनी, पोस्टर बनाना, नाटक, नुक्कड़ नाटक, नृत्य और संगीत बच्चों को आसान और प्रभावी ढंग से सीखने में शामिल करने के विभिन्न तरीके हैं।
- प्रार्थना सभा क्षेत्र में भी आर्ट्स-इंटीग्रेशन के आधार पर काम चल रहा है। यहाँ बच्चे प्रार्थना और विभिन्न अन्य गतिविधियों के लिए इकट्ठा होते हैं और अपनी भावनाओं और सीख को व्यक्त करते हैं।
- बच्चों ने कला शिक्षक की मदद से स्कूल भवन में विभिन्न स्थानों पर वॉल पेंटिंग में भाग लिया और अपने नवीन विचारों/भावनाओं को व्यक्त किया।
- छात्रों को शामिल करने, नई चीजें खोजने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक स्थानों, संग्रहालयों और पुरस्कार समारोहों के दौरे (आउटडोर एजुकेशन टूर) अक्सर आयोजित किए जाते हैं।

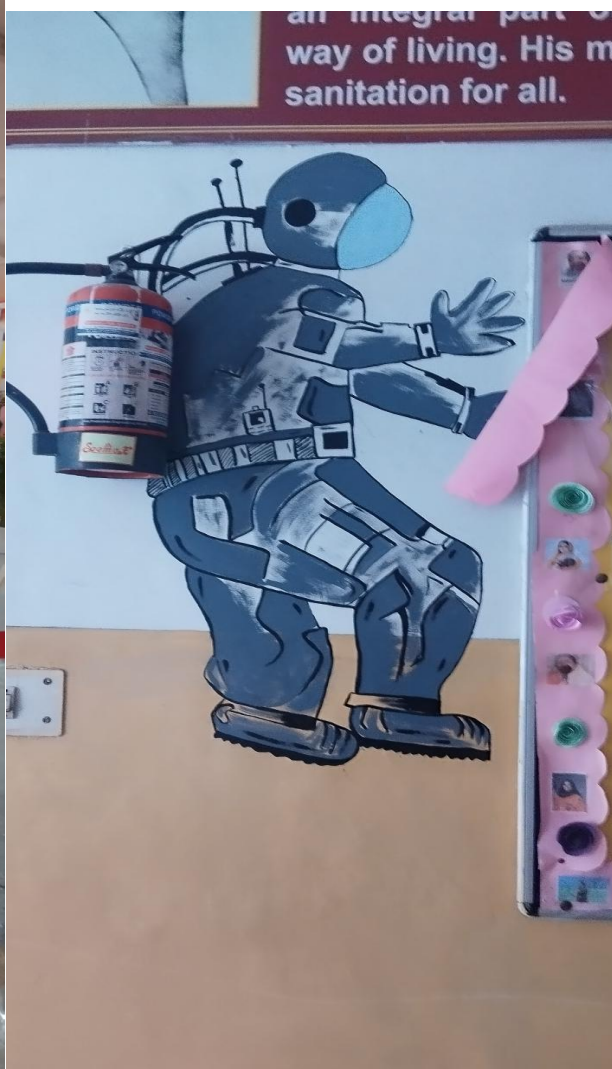
P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



**P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT**



P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



CLASS	Tr	12
CO-CLASS	Tr	12
PERIOD		12
DATE		12/02/24

SUBJECT	
TOPIC	

ON ROLL	30
PRESENT	32
ABSENT	04

P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



**P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT**



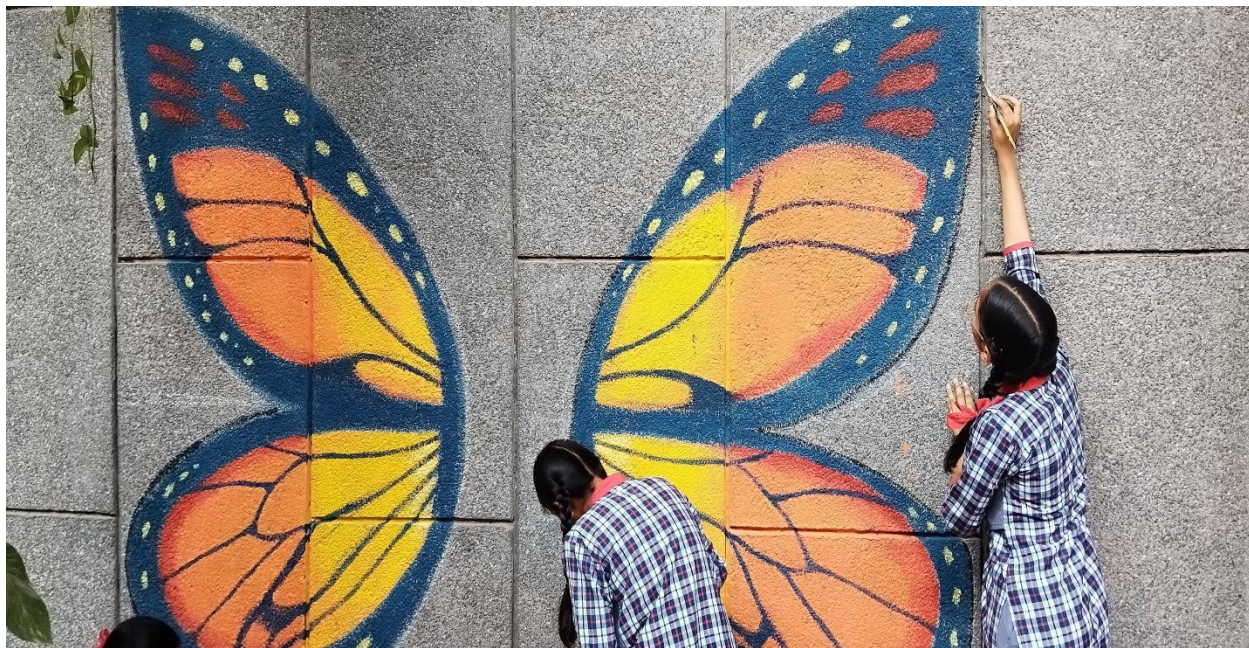
P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



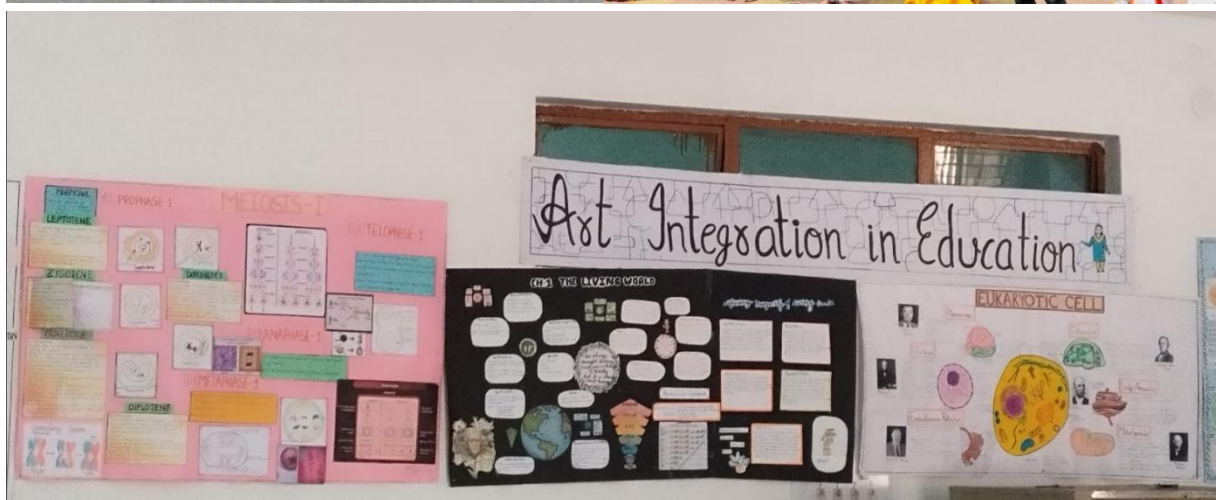
**P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT**



P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT



**P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT**



P.M. SHRI KENDRIYA VIDHYALAYA R.K. PURAM SECTOR 2
SECOND 2ND SHIFT

